सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 164 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 20 जुलाई, 2022

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा।
-बाल गंगाधर तिलक

मूल्य ₹ 3/-

सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव व शिंदे गुट से... 8 | लोक सभा चुनाव: पश्चिमी यूपी... 3 | फैलायी जा रही नफरत, भाजपा... 7

पीडब्ल्यूडी के तबादलों के खेल में करोड़ों का गोलमाल

ओएसडी हटाने से नहीं चलेगा काम बर्खास्तगी होनी चाहिये मंत्री की

» जिस ओएसडी अनिल कुमार पांडेय पर है भ्रष्टाचार का आरोप, उसे प्रतिनियुक्ति पर लाए थे जितिन प्रसाद

» जांच में मिली धांधली के बाद प्रदेश सरकार ने हटाया, विजिलेंस जांच भी बैठायी

» यूपीए सरकार में मंत्री रहने के दौरान भी अनिल कुमार पांडेय थे जितिन के दाहिने हाथ

» विपक्ष बोला, बिना मंत्री के इशारे पर इतने व्यापक पैमाने पर नहीं हो सकता भ्रष्टाचार

» कांग्रेस से भाजपा में आए जितिन प्रसाद को मिला है पीडब्ल्यूडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) में तबादला घोटाले ने अब तूल पकड़ लिया है। तबादले में करोड़ों के वारे-न्यारे करने के आरोप में भले ही प्रदेश सरकार विभागीय मंत्री जितिन प्रसाद के ओएसडी और अन्य पांच अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर अपनी पीठ थपथपा रही हो लेकिन इस घोटाले ने न केवल विभागीय मंत्री जितिन प्रसाद बल्कि सरकार की मंशा पर भी सवालिया निशान लगा दिए हैं। वहीं विपक्ष का कहना है कि बिना मंत्री की संस्तुति के ट्रांसफर-पोस्टिंग नहीं हो सकती लिहाजा सरकार विभागीय मंत्री जितिन प्रसाद को बर्खास्त करे और उनके खिलाफ भी जांच बिठाए।

पिछले दिनों पीडब्ल्यूडी में व्यापक पैमाने पर किए गए तबादलों में भ्रष्टाचार का मामला सामने आने पर योगी सरकार ने जांच बैठाई थी। धांधली का खुलासा होने के बाद सीएम ने मंत्री जितिन प्रसाद के ओएसडी अनिल कुमार पांडेय को हटा दिया था। प्रतिनियुक्ति पर आए अनिल पांडेय के खिलाफ विजिलेंस जांच और विभागीय कार्रवाई की संस्तुति भी की गई है। इस खुलासे के बाद जितिन के ओएसडी अनिल कुमार पांडेय से करीबी होने की भी चर्चा तेज हो गयी है। सूत्रों के मुताबिक यूपीए सरकार में जब जितिन प्रसाद ने पेट्रोलियम, स्टील और एचआरडी मंत्रालय संभाला था तब भी अनिल कुमार पांडेय उनके दाहिने हाथ थे। अब जब वे कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए और योगी-2 की सरकार में मंत्री बनाए गए तो उन्होंने फिर अनिल कुमार पांडेय को दिल्ली से प्रतिनियुक्ति पर बुलाकर अपना ओएसडी बनाया था। चर्चा है कि सीएम योगी जितिन को पसंद नहीं करते हैं। अमित शाह के हस्तक्षेप के बाद उन्हें प्रदेश का इतना बड़ा विभाग सौंपा गया। बड़ा सवाल यह है कि क्या मुख्यमंत्री जितिन प्रसाद को बर्खास्त करेंगे या उनका इस्तीफा लेंगे।

ईमानदारी से काम करें मंत्री, गड़बड़ी पर बख्शा नहीं जाएगा: सीएम

लखनऊ। लोक निर्माण विभाग में तबादलों में भ्रष्टाचार पर अफसरों पर गाज गिरने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों को नसीहत दी है कि वे अपने दफ्तर और निजी स्टाफ पर आंख मूंद कर भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि अपने दफ्तर और घर के स्टाफ पर नजर रखें। मंत्री ध्यान रखें कि उनका स्टाफ क्या कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करें। भ्रष्टाचार और अनियमितता की एक भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

"भाजपा सरकार के मंत्री भ्रष्टाचार उद्योग चला रहे हैं। जिस मंत्री के विभाग में ट्रांसफर और पोस्टिंग का यह घोटाला हुआ है वह इसके पहले से मास्टर रहे हैं। सरकार तत्काल मंत्री को बर्खास्त करे और उनके खिलाफ मुकदमा दायर करे। जब तक बड़े लोगों पर कार्रवाई नही होगी भ्रष्टाचार का यह उद्योग फलता-फूलता रहेगा।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक टीम आरएलडी

"योगी वन सरकार में भी मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे लेकिन उसे दबा दिया गया। अब यह सतह पर आ गया है। मंत्रियों और अफसरों के गठजोड़ से भ्रष्टाचार चल रहा है। यह मध्य प्रदेश में हुए व्यापं घोटाले की तरह है। सरकार एसआईटी गठित कर जांच कराए और श्वेत पत्र जारी करे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो कांग्रेस दागी मंत्रियों और अफसरों को हटाने के लिए बड़ा आंदोलन करेगी।

दीपक सिंह, कांग्रेस नेता

भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की समझिए क्रॉनॉलॉजी: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भ्रष्टाचार और कुशासन को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर हमला किया है। उन्होंने ट्वीट किया, उप्र भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कुशासन की क्रॉनॉलॉजी समझिए। पहले लोक निर्माण विभाग के मंत्रालय में विद्रोह, फिर स्वास्थ्य मंत्रालय में विद्रोह, अब जल शक्ति मंत्रालय में विद्रोह। जनता पूछ रही है, उप्र की भाजपा सरकार ईमानदारी से बताए, अब अगली बारी किसकी है?

"भाजपा सरकार में ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार है। बिना मंत्री की संस्तुति के ट्रांसफर-पोस्टिंग नहीं हो सकती। मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए और ऐसा न करने पर सरकार को उन्हें बर्खास्त किया जाना चाहिए।

कपीश श्रीवास्तव , राष्ट्रीय प्रवक्ता, सपा

"भाजपा घोटालों की पार्टी है। प्रदेश सरकार में मंत्री और अधिकारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार चल रहा है। सरकार को तत्काल मंत्री को बर्खास्त कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराना चाहिए।

रोहित श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष, आम आदमी पार्टी

ये है मामला

पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) में अभियंताओं के तबादले में घोर अनियमितता और भ्रष्टाचार का मामला उजागर होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी जांच के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। इस समिति में अपर मुख्य सचिव गन्ना विकास संजय भूसरेड्डी और अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक देवेश चतुर्वेदी भी शामिल थे। जांच समिति ने इस मामले की प्रारंभिक जांच पूरी करके 16 जुलाई को अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंप दी थी। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जांच रिपोर्ट में दोषी पाए गए सभी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी आधार पर ही अब स्थानांतरण घोटाले में लिप्त अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। सूत्रों के मुताबिक जांच रिपोर्ट में विभाग के कई और दिग्गजों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की सिफारिश की गई है।

इनको किया गया निलंबित

लोक निर्माण विभाग में तबादलों में धांधली पर विभागाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता समेत पांच को निलंबित कर दिया। निलंबित किए जाने वालों में मनोज गुप्ता के अलावा प्रमुख अभियंता (परियोजना एवं नियोजन) राकेश सक्सेना, वरिष्ठ स्टाफ अफसर शैलेंद्र यादव, प्रशासनिक अधिकारी व्यवस्थापन पंकज दीक्षित और प्रधान सहायक व्यवस्थापन संजय चौरसिया हैं। निलंबन के बाद मनोज और राकेश को जहां प्रमुख सचिव लोनिवि के कार्यालय से संबद्ध किया गया है, वहीं शैलेन्द्र यादव को प्रमुख अभियंता (ग्रामीण सड़क) के कार्यालय से संबद्ध किया गया है। प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में निलंबित अभियंताओं के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही करने और सचिव स्तर से अधिकारी से जांच कराने की भी सिफारिश की गई है।

मंत्रियों ने सीएम को दी रिपोर्ट, मुफ्त राशन से जनता में सकारात्मक माहौल

» सरकार के मंत्रियों ने मुख्यमंत्री के सामने रखी भ्रमण की रिपोर्ट

» मिली खामियों में सुधार कराएंगे नोडल अफसर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मंडलों में भ्रमण, जन चौपाल और सहभोज करके लौटे मंत्री समूह ने फीडबैक दिया है कि महिला सुरक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा, स्कूलों के कायाकल्प और पात्र लोगों को बिना भेदभाव मिल रहे मुफ्त राशन से जनता में सकारात्मक माहौल है। साथ ही मंत्रियों ने कुछ खामियां भी विभिन्न जिलों में बताईं, इन्हें गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र को निर्देश दिया है कि मंत्रियों की रिपोर्ट के आधार पर बिंदु चिन्हित करें। संबंधित जिलों के नोडल अधिकारियों से उनमें सुधार कराएं।

सीएम योगी ने कहा कि अगला मंत्री समूह भ्रमण के लिए पहुंचेगा तो इन बिंदुओं पर क्रियान्वयन की समीक्षा भी करेगा। कैबिनेट की बैठक के बाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में मंत्रियों के साथ बैठक की। सभी मंडलों के मंत्री समूह के अध्यक्षों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस पर सीएम योगी ने कहा कि सरकार आपके द्वार की भावना के साथ 18 मंत्री समूह मंडलीय भ्रमण के लिए गठित किए गए थे। भ्रमण के दो चरण पूरे हो चुके हैं। इसका सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। यह क्रम आगे भी बना रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि मंत्री समूह की रिपोर्ट संबंधित जिलों के नोडल अधिकारियों को दी जाए, ताकि जन अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति दी जा सके। साथ ही मंत्रियों ने जिन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत बताई है, उस पर अमल किया जाए। रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्रीय विकास के कार्यक्रम बनाए जा सकते हैं। अगला मंत्री समूह जब भ्रमण पर जाएगा तो पहले की रिपोर्ट के क्रियान्वयन की समीक्षा जरूर करेगा। सीएम ने कहा कि भ्रष्टाचार, अनियमितता की एक भी घटना स्वीकार नहीं है। निर्णय मेरिट के आधार पर लें, जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। थाना दिवस, तहसील दिवस, विकासखंड दिवस को अपने उद्देश्यों में सफल बनाने में मंत्री भी अपनी भूमिका निभाएं।

विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों से भी सुझाव लें

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को सलाह दी कि हम एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हैं। मंडलीय भ्रमण के दौरान हमें विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों से भी संवाद कर सुझाव लेना चाहिए। साथ ही कैबिनेट मंत्री अपने राज्य मंत्रियों के साथ समन्वय बनाए रखें। विभागीय बैठकों में राज्य मंत्रियों को शामिल रखें। सीएम योगी ने कहा कि जनवरी, 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन प्रस्तावित है। इससे पहले मंत्री समूहों को विभिन्न देशों में भ्रमण के लिए जाकर वहां के औद्योगिक जगत में उत्तर प्रदेश के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना होगा।

एमएसपी पर किसान और सरकार फिर आमने-सामने

» संयुक्त किसान मोर्चा ने एमएसपी पर बनी कमेटी को खारिज किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसान संगठन और सरकार की रार फिर बढ़ने लगी है। संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार की तरफ से एमएसपी और अन्य मुद्दों के लिए बनाई गई समिति को खारिज कर दिया है। मोर्चा ने तय किया है कि समिति के लिए कोई प्रतिनिधि नहीं भेजेगा। पीएम मोदी ने 19 नवंबर को तीनों कृषि कानून वापस ले लिया था। उसके बाद एमएसपी और किसानों की बाकी मांगों को लेकर कमेटी बनाने की मांग हुई थी।

मोर्चा के कोर कमेटी के डॉ दर्शन पाल, हन्नान मोल्ला, जोगिंदर सिंह उगराहां, युद्धवीर सिंह और योगेंद्र यादव ने सार्वजनिक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि सरकार की भूमिका पर लोगों पहले ही संदेह था। इससे पहले 3 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक में फैसला किया गया था कि जब तक सरकार इस समिति के अधिकार क्षेत्र और टर्म्स ऑफ रेफरेंस स्पष्ट नहीं करती तब तक इस कमिटी में संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधि का नामांकन करने का औचित्य नहीं है। सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन से इस कमेटी के बारे में संयुक्त किसान मोर्चा के सभी संदेह सच निकले हैं। जाहिर है ऐसी किसान-विरोधी और अर्थहीन कमेटी में संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधि भेजने का कोई औचित्य नहीं है। संयुक्त किसान मोर्चा ने आरोप लगाया है कि कमेटी में संयुक्त किसान मोर्चा के 3 प्रतिनिधियों के लिए जगह छोड़ी गई है। लेकिन बाकी स्थानों में किसान नेताओं के नाम पर सरकार ने अपने 5 लोगों को जगह दी है। इन सभी लोगों ने खुलकर तीनों किसान विरोधी कानूनों की वकालत की थी। यह सब लोग या तो सीधे भाजपा-आरएसएस से जुड़े हैं या उनकी नीति की हिमायत करते हैं। कृष्णा वीर चौधरी, भारतीय कृषक समाज से जुड़े हैं और भाजपा के नेता हैं।

आजम से वापस लिया जाएगा जौहर शोध संस्थान

» संयुक्त निदेशक पर भी होगी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रहते मो. आजम खान द्वारा मौलाना मोहम्मद अली जौहर प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान लीज पर लेने के मामले में योगी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। आजम से यह सरकारी शोध संस्थान वापस लिया जाएगा। इसके लिए लीज निरस्त की जाएगी। सरकार एसआईटी जांच के आधार पर सरकार उस समय के मंडलीय अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी (वर्तमान में संयुक्त निदेशक) राघवेन्द्र प्रताप सिंह पर विभागीय कार्रवाई करने जा रही है, उन्हें जल्द आरोप पत्र देकर जवाब मांगा जाएगा।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ने करीब ढाई साल पहले शासन को सौंपी

एसआईटी जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। दरअसल, इस शोध संस्थान को लेने के लिए संस्थान के उद्देश्य ही बदल दिए गए थे। शोध संस्थान के उद्देश्यों में उर्दू, अरबी व फारसी विषयों में उच्च शिक्षा की व्यवस्था करना एवं शोध कार्य कराना था। लेकिन आजम ने उच्च शिक्षा के स्थान पर सभी विषयों में प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा जुड़वा दिया था। इसके बाद आजम ने इस सरकारी शोध संस्थान के भवन में रामपुर पब्लिक स्कूल खोल दिया था। आजम ने कैबिनेट से निर्णय कराकर इसे मात्र 100 रुपये वार्षिक की दर से 33 साल के लिए लीज पर लिया था।

सपा ने हमसे वोट नहीं मांगा इसलिए मुर्मू का किया समर्थन : राजभर

» अखिलेश यादव से नाराजगी बढ़ती ही जा रही राजभर की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारत समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की अखिलेश यादव से नाराजगी की एक और वजह सामने आई है। अब उन्होंने साफ तौर पर जयंत चौधरी को राज्यसभा में भेजे जाने का उल्लेख करते हुए कहा है कि सपा को गठबंधन धर्म का निर्वहन करते हुए एमएलसी की कम से कम एक सीट सुभासपा को दी जानी चाहिए थी। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि जयंत चौधरी तो राज्यसभा पहुंच गए लेकिन उन्होंने क्या कभी अखिलेश यादव से यह बात की कि आठ सीट जीतने पर हमें तो राज्यसभा भेज रहे हैं।

लेकिन विधान परिषद की एक सीट गठबंधन धर्म निभाते हुए सुभासपा को दे दी जाए। ओमप्रकाश ने कहा कि जयंत चौधरी अपने राज्यसभा में जाने को लेकर खुश हो गए लेकिन कम से कम अपने छोटे भाई की भी चिंता करनी चाहिए थी।

उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी सिर्फ भाजपा का डर दिखाकर जिंदा है। ये लोग मुसलमानों को डर दिखाते हैं भाजपा का, लेकिन अब मुसलमान भी इस बात को समझ रहा है। राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए कैंडिडेट द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि सपा ने हमसे वोट मांगा ही नहीं। द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समाज की हैं। हम अंबेडकरवादी है इसलिए उनका समर्थन किया।

हे मॉम...

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

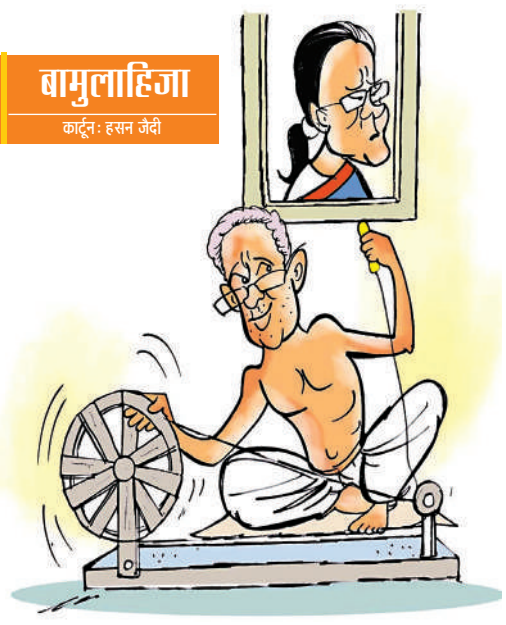

शिया इंटर कॉलेज में गुणवत्तापरक शिक्षा पर वक्ताओं ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के शिया इंटर कॉलेज में बजमे दीनियात संस्था की ओर से ईद-ए-गदीर के मौके पर हजरत अली अलैहस्लाम की शान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ फखरे मिल्लत एवं मजलिसे उल्लमा के सचिव, शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव डॉ. यासूब अब्बास एवं प्रधानाचार्य हसन सईद नकवी ने किया। इस मौके पर डॉ यासूब अब्बास ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी दौलत शिक्षा है।

इसे जरूर ग्रहण करनी चाहिए। गुणवत्तापरक शिक्षा ग्रहण करने से समाज में उजियारा फैलता है। अपने बच्चों को अच्छी तालीम दें ताकि वे खुदा के बताए रास्तों पर चल सके। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शिया कॉलेज बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर अजीज हैदर मेंबर समीउल

हसन तकवी, मौलाना जहीर इफ्तेखारी, मैनेजर अब्बास मुर्तजा शमसी, परशियन विभाग के हेड डॉ मौलाना एजाज अथर, एवं डॉ शबी रजा मौजूद थे। संचालन सय्यद एहसन अफरोज ने किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के अध्यापकगण में शाहिद हुसैन रिजवी, मेहंदी अब्बास शमसी, प्रवक्ता डॉ जावेद हुसैन, हुसैन रजा, इकबाल मिर्जा, फरीद रजा, हिलाल अब्बास, मोहम्मद सईद एवं इंडिपेंडेंट वॉइस के संपादक एवं प्रवक्ता डॉ. हसन परवेज जैदी उपस्थित थे।

लोक सभा चुनाव : पश्चिमी यूपी में नया सियासी समीकरण तैयार करने में जुटे जयंत

» एजेंडे में दलित, मुस्लिम और किसान, विधान सभा चुनाव में मिली संजीवनी से बढ़ा हौसला

» विधायक निधि का 35 फीसदी फंड दलित कल्याण में करेंगे खर्च

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव के पहले रालोद प्रमुख जयंत चौधरी पश्चिमी यूपी में नया सियासी समीकरण तैयार करने में जुट गए हैं। रालोद के एजेंडे में इस बार युवा, दलित, मुस्लिम और किसान हैं। जयंत इन्हीं के जरिए सियासी बिसात बिछाने की तैयारी कर रहे हैं ताकि पश्चिमी यूपी में भाजपा के सामने एक कड़ी चुनौती पेश कर सकें। साथ ही इसे अपनी बार्गेनिंग पोजीशन को भी बढ़ाने का दांव माना जा रहा है।

2022 विधान सभा चुनाव में सपा के साथ मिलकर भी जयंत चौधरी बहुत ज्यादा सफल नहीं रहे। तमाम कोशिशों के बावजूद पश्चिमी यूपी का दलित वोट या तो बसपा के साथ रहा या भाजपा में गया। यही वजह है कि जयंत दलित वोटों को साधने की कवायद में जुट गए है जिसके लिए पहले उन्होंने दलित नेता चंद्रशेखर के साथ दोस्ती बढ़ाई वहीं अब जयंत चौधरी ने अपने सभी आठों विधायकों से कहा कि विधायक निधि का 35 फीसदी फंड दलित कल्याण पर खर्च करें। इसे दलितों के दिल जीतने के अभियान के तौर पर देखा जा रहा है। इस तरह जयंत की कोशिश जाट-मुस्लिम के साथ दलित कॉम्बिनेशन बनाने का है। पश्चिमी यूपी में जाट-मुस्लिम के बाद दलित वोटर भी काफी निर्णायक भूमिका में हैं। जयंत चौधरी की नजर अपने जाट कोर वोट बैंक के साथ-साथ मुस्लिमों पर भी है, जिनके सहारे पश्चिमी यूपी में किंगमेकर की भूमिका अदा करते रहे हैं। 2022 के विधान सभा चुनाव में भी आरएलडी को सियासी संजीवनी जो मिली है, उसमें मुसलमानों की अहम भूमिका रही है। जयंत किसी भी सूरत में मुस्लिम वोट बैंक को अपने से दूर नहीं करना चाहते हैं, जिसके लिए पार्टी संगठन से लेकर तमाम जगहों पर मुस्लिम नेताओं की नियुक्त कर रहे हैं। आजम खान जब जेल में बंद थे तो जयंत चौधरी ने रामपुर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की थी और अपने पुराने रिश्ते की दुहाई दी थी। जयंत को पता है कि पश्चिमी यूपी में अगर अपनी सियासी जड़ें मजबूत रखनी है तो जाट के साथ-साथ मुस्लिमों को साधकर रखना है। ऐसे में देखना होगा कि जयंत चौधरी की ये कोशिश 2024 में क्या सियासी गुल खिलाती है?

युवाओं को साधने में जुटे रालोद प्रमुख

जयंत चौधरी युवा पंचायत के जरिए युवाओं को साधने की मुहिम पर काम कर रहे हैं इसके लिए उनके निशाने पर मोदी सरकार की ओर से लाई गई अग्निपथ योजना है। वह अग्निपथ योजना वापस लेने की मांग को लेकर पूरे पश्चिमी यूपी में युवा पंचायत आयोजित किया था। युवा पंचायत के जरिए जयंत अग्निपथ योजना के खिलाफ युवाओं को लामबंद करते दिखे, बेरोजगारी की व्यापक समस्या उठाकर भी इस बड़े वर्ग से भावनात्मक रूप से जुड़ने का रालोद का प्लान है। अग्निपथ योजना के विरोध के जरिए वे बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे हैं। यूपी में लाखों युवा सेना में भर्ती होने की तैयारी करते हैं, जिनमें पश्चिमी यूपी के जिलों का बड़ा हिस्सा है। इसमें गाजियाबाद, हापुड़, मुजफ्फरनगर, बागपत और बुलंदशहर शामिल है। यह ऐसा इलाका है जहां से सशस्त्र सेना में जाने वालों की संख्या काफी ज्यादा है।

किसान आरएलडी का मूल वोट बैंक

आरएलडी ने शुरू से किसानों की पार्टी के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। किसानों के मुद्दों को लेकर चौधरी चरण सिंह और चौधरी अजित सिंह के बाद जयंत चौधरी भी मुखर हैं। कृषि कानूनों के विरोध के दौरान भी जयंत चौधरी और उनकी पार्टी काफी मुखर रही थी क्योंकि आरएलडी का सियासी आधार भी किसान रहा है। ऐसे में किसानों से जुड़े तमाम मुद्दों को लेकर जयंत चौधरी मुखर ही नहीं बल्कि आक्रामक भी रहते हैं। भारतीय किसान यूनियन खुलकर आरएलडी को समर्थन करती रही है और किसान नेता राकेश टिकैत का जयंत के साथ अच्छा तालमेल है। ऐसे में वो किसान वोट बैंक को किसी भी सूरत में खुद से नहीं छिटकने देना चाहते।

प्रदेश में निवेश को रफ्तार देगी सरकार जुटाएगी दस लाख करोड़

» योगी सरकार जनवरी में आयोजित करेगी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

» विश्वस्तरीय कार्यक्रम के लिए अभी से शुरू कर दी तैयारी

» कार्यक्रम की रूपरेखा लगभग तय, समिट कम से कम तीन दिन की होगी

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। राजधानी में पिछले महीने औद्योगिक निवेश परियोजनाओं की तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी करने वाली योगी सरकार ने अब विश्वस्तरीय कार्यक्रम के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनवरी 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने का निर्देश दिया है। इसके लिए दस लाख करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम की रूपरेखा लगभग तय हो चुकी है।

समिट कम से कम तीन दिन की होगी, जिसमें एक दिन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए होगा। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर बैठक की। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष जनवरी में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रस्तावित है। इस बार हमें 10 लाख करोड़ के निवेश के लक्ष्य के साथ काम करना होगा। यह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट नए उत्तर प्रदेश की आकांक्षाओं को उड़ान देने वाली होगी। निर्देश दिया कि सभी पक्षों से विचार-विमर्श कर यथाशीघ्र आयोजन की तिथि तय की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी 2023 में प्रवासी भारतीय दिवस अनुकूल अवसर हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम तीन दिन का कार्यक्रम हो, जिसमें एक दिन एमएसएमई के लिए रखा जाए। उन्होंने कहा कि यूके, यूएसए, कनाडा, यूएई, स्वीडन, सिंगापुर, नीदरलैंड, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, मारीशस, रूस और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में रोड शो कर यूपी के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए। इन देशों में अपनी टीम भेज देनी चाहिए ताकि वहां के औद्योगिक जगत में इस समिट के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो सके। योगी ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए सिंगापुर ने स्वत: स्फूर्त भाव से फर्स्ट कंट्री पार्टनर बनने की इच्छा जताई है। वर्ष 2018 के इन्वेस्टर्स समिट में नीदरलैंड, जापान, स्लोवाकिया, फिनलैंड, चेक रिपब्लिक, मारीशस, थाइलैंड, नेपाल, बेल्जियम हमारे कंट्री पार्टनर रहे हैं। इस वर्ष इन देशों के साथ-साथ स्वीडन व अन्य देशों से भी बात की जाए। अभी तक तय हुआ है कि 22 देशों के 10 हजार से अधिक अतिथियों को बुलाया जाएगा जबकि रोड शो 13 देशों के प्रमुख शहरों में करने की योजना है।

अगस्त के अंत तक बन जाए नई औद्योगिक नीति

औद्योगिक क्षेत्र में विकास की अपार संभावना बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र रोजगार का सबसे बड़ा साधन है। प्रदेश में औद्योगिक निवेश के माहौल को और बेहतर करने के लिए नियमों में समयानुकूल बदलाव जरूरी हैं। जल्द ही राज्य की नई औद्योगिक नीति तैयार करें। खाद्य प्रसंस्करण, हथकरघा, पावरलूम, सूचना प्रौद्योगिकी, जैविक ईंधन, फिल्म एंड मीडिया, पर्यटन, सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग और कामिक इंडस्ट्री, खिलौना निर्माण, नागरिक उड्डयन, हाउसिंग एंड रीयल एस्टेट आदि क्षेत्रों में औद्योगिक जगत की जरूरतों के मुताबिक नई औद्योगिक नीति तैयार की जाए। यह काम अगस्त के अंत तक पूरा कर लिया जाए।

लैंड बैंक के लिए बनेगी राजस्व विभाग की अलग टीम

सीएम ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों के लिए जमीन प्राथमिक आवश्यकता है। प्रदेश में लगभग एक लाख हेक्टेयर भूमि है। प्रयास यह रहे कि समिट से पहले लैंड बैंक को और मजबूत किया जाए। इसके लिए राजस्व विभाग की एक टीम गठित करें, जो निवेश के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित कर लें। निवेशक यहां आएं तो उन्हें निवेश के लिए जमीन की कोई समस्या न हो। इसके अलावा प्रयास करें कि 50 करोड़ रुपये से अधिक राशि के निवेश के लिए समझौता पत्र राज्य स्तर पर हों। इससे कम धनराशि के निवेश प्रस्तावों के लिए जिला स्तर पर एमओयू किया जाना चाहिए। निगरानी और सहज क्रियान्वयन के लिए वेब पोर्टल तैयार किया जाए।

मुख्यमंत्री कार्यालय से भी होगी निगरानी

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के सफल आयोजन के लिए अलग-अलग टीमें गठित करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया है। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दें। मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इसकी सतत निगरानी की जाएगी। भारत सरकार से भी इसके लिए मार्गदर्शन लें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानसून की बेरुखी के खतरे

देश के तमाम राज्यों में जहां अतिवृष्टि के कारण बाढ़ के हालात हैं वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून अभी तक सक्रिय होता नहीं दिख रहा है। बारिश नहीं होने के कारण धान की फसल सूखने की कगार पर पहुंच चुकी है। कई जिलों में सूखे के हालात उत्पन्न हो गए हैं। इसके कारण न केवल किसान बल्कि प्रदेश सरकार के माथे पर भी चिंता की लकीरें खींच गयी हैं। महंगाई के बीच अगर मानसून ने भी दगा दे दिया तो आम आदमी की स्थिति बेहद खराब हो जाएगी। लिहाजा अब सरकार सूखे की आशंका को देखते हुए रणनीति बनाने में जुट गयी है। सवाल यह है कि क्या प्रदेश सूखे की कगार पर पहुंच चुका है? सरकार सूखे की समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल रही है? सिंचाई व्यवस्था को दुरुस्त करने में लापरवाही क्यों बरती जा रही है? मौसम विभाग संभावित सूखे को लेकर किसानों को सटीक जानकारी समय पर क्यों नहीं उपलब्ध करा पा रहा है? क्या सरकार ने सूखे से होने वाले खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए कोई ठोस रणनीति बनायी है? देश को एक ही वक्त अतिवृष्टि और अनावृष्टि का सामना क्यों करना पड़ता है?

भारत कृषि प्रधान देश है और किसान आज भी बारिश के भरोसे रहते हैं। देश के कई भागों में भारी लेकिन उत्तर प्रदेश में नाममात्र की बारिश हुई है। प्रयागराज को तो सूखाग्रस्त घोषित करने की तैयारी भी शुरू हो गई है। लखनऊ में जुलाई में अब तक 129.9 मिलीमीटर वर्षा हो जानी चाहिए थी लेकिन सिर्फ 31.1 मिलीमीटर यानी सामान्य से 76 फीसदी कम बारिश हुई है। लखनऊ मंडल में सबसे अधिक सूखा उन्नाव है। यहां जुलाई की औसत बारिश 124.3 मिमी होनी चाहिए जबकि अभी मात्र 2.7 मिमी हुई है। सूखे जैसे हालात का सामना कर रहे जिलों में कृषि विभाग के अफसर तहसीलों और ब्लाकों के समन्वय स्थापित कर जानकारी जुटा रहे हैं। बारिश के कम होने के कारण खरीफ की खेती प्रभावित हो चुकी है। धान की नर्सरी खेतों में सूखने लगी है। इसकी रोपाई नहीं हो पा रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 21 जुलाई से अच्छी बारिश होने की संभावना है। हालांकि इसके पहले मौसम विज्ञानियों ने 18 जुलाई को भी तेज बारिश की संभावना जताई थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जाहिर है, सरकार को सूखे से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर फोकस करना होगा। इसके लिए छोटे और मझोले किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। मौसम विभाग को भी संभावित स्थिति को देखते हुए किसानों को सटीक जानकारी उपलब्ध करानी होगी ताकि वे समय रहते फसलों में फेरबदल कर सकें और उनकी मेहनत पर पानी न फिर सके।

सरकार को सूखे से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर फोकस करना होगा। इसके लिए छोटे और मझोले किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करानी होगी। मौसम विभाग को भी संभावित स्थिति को देखते हुए किसानों को सटीक जानकारी उपलब्ध करानी होगी ताकि वे समय रहते फसलों में फेरबदल कर सकें और उनकी मेहनत पर पानी न फिर सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आबादी का बढ़ता बोझ चिंताजनक

प्रभु चावला

एक साल के भीतर भारत दुनिया की सर्वाधिक आबादी का देश बन जायेगा। हर घंटे लगभग 37 सौ लोगों के जुड़ने के हिसाब से 2030 तक हमारी जनसंख्या 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर लेगी। आर्थिक वृद्धि की वर्तमान उच्चतम दर के बावजूद 50 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने के लिए मजबूर होंगे। अधिकतर भारतीयों को निर्बाध बिजली आपूर्ति और पर्याप्त पेयजल शायद ही मिल सके। जगह और संसाधनों की मारामारी से विकास की उपलब्धियां खो जायेंगी। वैश्विक सकल घरेलू उत्पादन में भारत का हिस्सा सात फीसदी से भी कम है, पर दुनिया का लगभग हर पांचवां व्यक्ति भारत में रहता है। आर्थिक व सामाजिक तबाही की आशंकाओं की इस पृष्ठभूमि में बढ़ती आबादी रोकने के लिए कठोर उपायों की मांग फिर उठने लगी है।

आपातकाल में परिवार नीति-निर्धारण का केंद्रीय विषय बना था। संजय गांधी ने आबादी रोकने के लिए जोर-जबरदस्ती के साथ समझाने-बुझाने के भी रास्ते अपनाये थे। बल प्रयोग और अल्पसंख्यकों के हिंसक विरोध के कारण वे असफल रहे। उत्तर भारत में कांग्रेस की चुनावी हार भी हुई। अगले चार दशक तक जनसंख्या नियंत्रण पर चर्चा करने की किसी दल की हिम्मत नहीं हुई। आबादी के मामले में चीन से आगे निकलने के दुष्परिणामों की आशंका ने भारतीय सत्ता, बौद्धिकों, नीति निर्धारकों और यहां तक कि राजनेताओं को सोते से जगा दिया है। स्वाभाविक रूप से यह विमर्श विचारधारात्मक आधारों पर हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार और उससे जुड़े संगठन सरकार पर दो बच्चों तक संतानोत्पत्ति को सीमित करने का कानूनी प्रावधान करने के लिए दबाव बना रहे हैं। हाल में राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने सदन में व्यक्तिगत विधेयक प्रस्तावित किया था। किसी धर्म या समुदाय का उल्लेख किये बिना सिन्हा ने संकेत किया था कि कुछ वर्ग दूसरों की कीमत पर समृद्ध हो रहे हैं। इसके बाद उनके दल के कई लोगों ने जनसंख्या नियंत्रण की जरूरत पर जोर दिया, लेकिन उनकी बातों से लगता था कि वे बढ़ती आबादी के लिए अकेले मुस्लिम समुदाय को दोषी ठहराने के अपने असली इरादे को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। इस मुद्दे को हिंदू बनाम मुस्लिम बना देने के कारण जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों को धक्का लगता रहा है। आज भी, न केवल राजनेताओं द्वारा बल्कि मीडिया में भी इसे सांप्रदायिक आधारों पर भी

देखा जा रहा है अगर दो बच्चों के कानून को समर्थन देने के लिए भाजपा नेताओं को बुलाया जाता है तो अपनी पार्टी के अकेले सांसद असदुद्दीन ओवैसी अपने समुदाय के एकमात्र प्रवक्ता के रूप में चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। जब एक ही मंच पर दो अतिवाद हों तो मुद्दा पिछड़ापन बनाम प्रगति का न रह कर बहुसंख्यक बनाम अल्पसंख्यक हो जाता है। संघ परिवार का दावा है कि 1951 से हिंदुओं की संख्या तीन गुनी से कुछ अधिक हुई है, जबकि मुस्लिम समुदाय में यह बढ़त छह गुना से ज्यादा है। प्यू रिसर्च सेंटर के अध्ययन में भी बताया गया था कि 1951 से 2011 के बीच हिंदू व अन्य धार्मिक समूहों की आबादी तिगुनी हुई, पर मुस्लिम आबादी पांच गुना बढ़ गयी। मुस्लिम समुदाय का दावा है कि मुस्लिम महिलाओं की कुल प्रजनन दर 1992 के 4.4 बच्चों से घट कर पिछले साल लगभग 2.6 रह गयी है पर यह हिंदुओं और अन्यों के 2.1 के दर से अब भी बहुत अधिक है। उत्तर और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में मुस्लिम आबादी इतनी तेजी से बढ़ी है कि कई जिले अब मुस्लिम बहुल हो गये हैं। मुस्लिम आबादी का घनत्व एक हद तक समाजशास्त्रीय कारणों से है। देश की 20 करोड़ मुस्लिम आबादी का आधा हिस्सा केवल छह राज्यों- उत्तर प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, असम, जम्मू-कश्मीर और बिहार- में है इनमें केरल को छोड़कर अन्य राज्यों में शेष भारत की अपेक्षा अधिक जनसंख्या वृद्धि हुई है। आर्थिक मोर्चे पर भी इन राज्यों का प्रदर्शन कमतर रहा है लेकिन भारत में अर्थशास्त्र आम लोगों की किस्मत तय नहीं करता। यह आस्था और भाईचारा से होता है। उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि दर के बावजूद संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के मानव विकास सूचकांक में भारत 131वें स्थान पर है। इस सूची में उसका प्रदर्शन श्रीलंका, भूटान, मलयेशिया, मॉरीशस आदि देशों से भी नीचे है। भारत जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों में 120वें तथा जल उपलब्धता में 180 देशों में 133वें पायदान पर है। यह विडंबना ही है कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मना रहा भारत अभी भी पहचान की राजनीति और सामुदायिक विशेषाधिकारों के चक्कर में उलझा हुआ है। भारतीय सोच प्रक्रिया पर वे लोग हावी हैं, जो सांप्रदायिक और सामुदायिक दृष्टि से ही सोचते हैं। जब अधिकतर देशों में जनसंख्या वृद्धि शून्य या ऋणात्मक हो चुकी है, भारत अब भी जैविक व जनसांख्यिक असंतुलन को बनाये रखने को जूझ रहा है।

एक जाल है बेल्ट-रोड परियोजना

मोहन गुरुस्वामी

अमेरिका में 2008 का वित्तीय संकट आकर्षक दरों पर बड़े पैमाने पर आवास ऋण देने से पैदा हुई गिरवी समस्या का परिणाम था। ऐसे बहुत से लोगों, जो आम तौर पर ढेर सारा कर्ज नहीं ले पाते, को आसान ऋण मुहैया कराया जाने लगा ताकि वे अपना घर होने का मध्यवर्गीय सपना पूरा कर सकें। जब अमेरिकी अर्थव्यवस्था गड़बड़ायी तो बड़ी संख्या में लोगों की नौकरी चली गयी, जिसका सीधा असर आवास कारोबार पर पड़ा। लोगों के पास किस्त चुकाने की क्षमता नहीं थी तो बैंक उनके घर लेने लगे और जल्दी ही बिक्री का इंतजार कर रहे घरों की संख्या बहुत बढ़ गयी। लोग कर्ज के बोझ के साथ बेघर होने लगे, बैंकों पर दबाव बढ़ता गया और इसके असर से बड़े बैंक भी नहीं बच सके। 2008 में वित्तीय बाजार तहस-नहस हो गया। वे राष्ट्रपति बराक ओबामा के पहले कार्यकाल के शुरुआती दिन थे और उन्होंने संयम के साथ इस कठिन स्थिति का सामना करते हुए बड़े बैंकों को 800 अरब डॉलर दिया, जेनरल मोटर्स को मुश्किल से निकाला और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में भरोसा बहाल किया।

किसी देश में बैंकिंग के जो कानून और विवेक लोगों और कंपनियों के लिए होते हैं, उनमें कानून संप्रभु देशों पर लागू नहीं होते, पर विवेक अवश्य प्रासंगिक होता है। आप कर्ज में डूबे किसी देश को उसी तरह नहीं उबार सकते जैसा कि राष्ट्रपति ओबामा ने अमेरिकी कंपनियों और बैंकों के साथ किया था। आप अर्जेंटीना को खत्म नहीं कर सकते या ब्रिटेन और फ्रांस का जबर्दस्ती विलय नहीं कर सकते। सिटी बैंक के प्रसिद्ध पूर्व प्रमुख वाल्टर रिस्टन, जिन्होंने दक्षिण अमेरिकी और अफ्रीकी देशों को ढेर सारा कर्ज बांट कर बैंक को लगभग डुबा ही दिया था, को जब बाद की मुश्किलों के बारे में आगाह किया गया, तो उन्होंने हंसते हुए कहा था- 'देश नहीं डूबा करते।' इसका अर्थ यह था कि कर्जों को अधिक ब्याज पर लगातार बनाये रखा जाता है। इस संदर्भ में श्रीलंका और पाकिस्तान की स्थिति को देखा जाए। चीन कुछ हद तक पीछे हटने लगा है। मलेशिया कम खर्च, कम ब्याज दर और अधिक स्थानीय भागीदारी के साथ रेल परियोजना की शर्तों में बदलाव कर चुका है। उल्लेखनीय है कि मूल समझौता पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक को अच्छा-खासा घूस देकर किया गया था। पाकिस्तान भी आर्थिक गलियारे को लेकर सवाल उठाने लगा है। उसने श्रीलंका के हम्बनटोटा से सबक लिया है। बंदरगाह के पहले चरण के लिए चीन ने श्रीलंका को दो प्रतिशत की दर पर 307 मिलियन डॉलर दिया था। जब श्रीलंका ने आगे 757 मिलियन डॉलर कर्ज लिया तो चीनियों ने ब्याज दर पांच प्रतिशत कर दिया, जो पहले कर्ज पर भी लागू हुआ। फंसा हुआ श्रीलंका किस्तें नहीं चुका सका तो उसे चीन को औद्योगिक शहर बनाने के लिए 15 हजार एकड़ जमीन देनी पड़ी। उस शहर की मुद्रा चीनी येन होगी। हम्बनटोटा राजपक्षे परिवार का सपना था और महिंदा राजपक्षे उसे दूसरा कोलंबो बनाना चाहते थे। बेल्ट-रोड परियोजना के पहले सम्मेलन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की थी कि इसके लिए चीन 55 अरब डॉलर देगा। यह राशि उन आंकड़ों से बहुत कम थी, जिनकी चर्चा गाहे-बगाहे होती थी।

इस परियोजना को वैश्विक वर्चस्व के लिए चीन का बड़ा दांव माना जाता है। इसके बारे में आशाएं और आशंकाएं निराधार हैं। इसका सीधा मामला पश्चिमी बैंकों में पड़े चीनी धन को वहां निवेश करना है, जहां अधिक मुनाफा मिले तथा चीनी अर्थव्यवस्था से अत्यधिक क्षमता का बोझ कुछ कम हो। अब बेल्ट-रोड परियोजना की आर्थिकी को समझा जाए। यह वह वास्तविकता है, जिसे अधिकतर टिप्पणीकार नहीं देख पाते या समझ पाते। 2013 तक चीन के पास लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार हो चुका था। उसका दावा है कि न्यू डेवलपमेंट बैंक, एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक और सिल्क रोड फंड के लिए निर्धारित पूंजी में इस भंडार का केवल सात प्रतिशत के आसपास ही खर्च होगा। चूंकि चीन द्वारा समर्थित ये संस्थान अनुदान की जगह उधार देंगे, तो इसका ब्याज अमेरिकी सरकार के बॉन्ड से मिलनेवाले मामूली रिटर्न की तुलना में बहुत अधिक होगा। चीन का विशाल विदेशी मुद्रा भंडार धीरे-धीरे मूल्य के मामले में संकुचित होता जा रहा है। चीन इसी समस्या का समाधान खोज रहा है। इसका एक रास्ता यह है कि इस पूंजी को अफ्रीका और एशिया के उन देशों में लगाया जाए, जिन्हें बहुत कम निवेश मिलता है, और इस तरह बहुत लंबे समय तक उनसे कमाई की जा सकती है। कुछ देशों में बहुत जल्द नतीजे सामने आ गये हैं। श्रीलंका के विशालकाय हम्बनटोटा बंदरगाह में आज कोई जहाज नहीं ठहरता और उससे कोई खास कमाई भी नहीं होती। कभी इस परियोजना ने भारत के 'रणनीतिक चिंतकों' को बेचैनी से भर दिया था. चीन अब श्रीलंका पर किस्तें चुकाने के लिए दबाव बना रहा है और इस प्रक्रिया में कर्ज के बदले वह कुछ अधिक ही उगाही करना चाहता है। इस परियोजना के निवेश का बड़ा हिस्सा सामानों और श्रम की आपूर्ति के जरिये चीन वापस ले चुका है। इसीलिए एक मशहूर यूरोपीय टिप्पणीकार ने बेल्ट-रोड परियोजना को एक जाल कहा था, जिसमें फंसाने के लिए मक्खन का बड़ा टुकड़ा लगाया गया है। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' ने सवाल उठाया है कि सूखे और बंजर शिनजियांग तथा अशांत तुर्किस्तानी मुस्लिम बहुल काशगर से जुड़ कर पाकिस्तान को क्या हासिल होगा, जो पहले से ही मुश्किलों में घिरा है।

इन तरीकों से छुड़ायें

बच्चे की मिट्टी खाने की लत

कहते हैं कि बच्चे मन के सच्चे होते हैं। वह अक्सर अपनी शरारतों से बड़ों का दिल जीत लेते हैं। चूंकि बच्चे बेहद ही मासूम होते हैं और इसलिए वह अपने अच्छे-बुरे के बारे में नहीं जानते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि उनमें कुछ ऐसी आदतें लग जाती हैं, जो उनकी सेहत को नुकसान पहुंचाती है। इन्हीं में से एक है मिट्टी खाने की आदत। अधिकतर बच्चों का मिट्टी खाना सामान्य माना जाता है, लेकिन बच्चा हर दिन और बहुत अधिक मात्रा में मिट्टी खाते हैं तो इससे उनकी सेहत को नुकसान पहुंचता है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन बच्चों की मिट्टी खाने की आदत एक बीमारी है, जिसे पिका कहते हैं। इससे बच्चे के पेट में कीड़े लगने लगते हैं, जिससे बच्चे को भूख नहीं लगती है। इसके लिए बच्चे खाने से कतराते हैं। अगर आपका बच्चा भी मिट्टी खाता है और आप बच्चे की इस आदत को छुड़वाना चाहते हैं तो कुछ आसान टिप्स को अपना सकते हैं।

डाइट में शामिल करें जिंक

जिन बच्चों को मिट्टी खाने की आदत होती है, अक्सर उनकी बॉडी में जिंक की कमी पाई जाती है। ऐसे में उनकी डाइट में जिंक शामिल करने से उसे मिट्टी खाने से रोकने में मदद मिलेगी। बच्चे की डाइट में जिंक शामिल करने के लिए आप कुछ नेचुरल फूड्स या फिर सप्लीमेंट्स और मल्टीविटामिन का सेवन किया जा सकता है।

आयरन को करें शामिल

जिंक की तरह ही पिका और मिट्टी खाने के व्यवहार के विकास के प्रमुख कारणों में आयरन की कमी है। आपको अपने बच्चे के आहार में आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को अवश्य शामिल करना चाहिए। आयरन हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करता है और इसकी कमी के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अगर आपका बच्चा लगातार मिट्टी खाता है तो अपने बच्चे की हीमोग्लोबिन रिपोर्ट और आयरन के स्तर की जांच करवाना बिल्कुल भी ना भूलें।

अजवाइन का पानी

अगर बच्चे को मिट्टी खाने की आदत से छुटकारा पाना है तो अजवायन को रोज रात को सोते समय पानी दें। इससे बच्चे की मिट्टी खाने की आदत से भी छुटकारा मिलता है। साथ ही बच्चे को कैल्शियम युक्त खाना खिलाएं। इससे बच्चे की मिट्टी खाने की आदत भी टूट जाती है।

केला

केला एक पोटेशियम रिच फल है, जो बच्चों के लिए बेहद ही आवश्यक माना गया है। केला सेहत के लिए फायदेमंद होता है। इसमें कई ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह बच्चे के शारीरिक विकास में भी मदद करता है।

अगर आपका बच्चा मिट्टी खाता है तो आप केले को मसल कर इसमें शहद और दूध मिक्स करके बच्चे को दें। यह मिट्टी खाने की क्रेविंग को शांत करता है। साथ ही बच्चे का पेट हमेशा भरा रहता है। इससे बच्चे की मिट्टी खाने की आदत टूट जाती है।

लौंग का पानी

लौंग भी बच्चे की मिट्टी खाने की आदत छुड़ाने में मददगार साबित होता है। इसके लिए लौंग को पानी में उबाल लें और फिर उसे ठंडा करके व छानकर बच्चे को पीने के लिए दें। अगर बच्चा लौंग का पानी नहीं पीता है तो उसमें शहद मिलाकर पिलाएं। इसके लगातार सेवन से बच्चे को मिट्टी खाने की आदत से छुटकारा मिल जाता है।

हंसना मना है

गीलू- जल्दी से एक गिलास जूस दो, लड़ाई होने वाली है। एक गिलास जूस पीने के बाद। गीलू- एक गिलास और जूस दो, लड़ाई होने वाली है। जूसवाला- लड़ाई कब होगी? गीलू- जब तुम पैसे मांगोगे।

लड़की वाले बेटी के लिए लड़का देखने गए लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो 2 कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया और सारी कमाई चली गयी।

संजू अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया। लड़की का पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे।। संजू- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते। दे चप्पल। दे चप्पल।

मिंकी तीसरी बार ड्राइविंग लाइसेंस के लिए इंटरव्यू देने पहुंची। ऑफिसर- अगर एक तरफ आपके पति हो और दूसरी तरफ आपका भाई हो तो आप क्या मारोगी ? मिंकी- पति ऑफिसर- अरे मैडम आपको तीसरी बार बता रहा हूं कि आप ब्रेक मारोगी।

मंटू डॉक्टर के पास गया। मंटू- डॉक्टर मेरे से कुछ खाया नहीं जाता। डॉक्टर- क्यों ? मंटू- मेरे दांत में कीड़ा लगा है इसे निकाल दीजिये डॉक्टर- ठीक है मैं दवाई देता हूं। मंटू- उफ्फ इस दांत दर्द से तो मर जाना बेहतर है। डॉक्टर-बताओ फिर मैं उसी हिसाब से दवाई लिखूं ।

कहानी

बिल्ली का न्याय

एक जंगल में विशाल वृक्ष के तने में एक खोल के अन्दर कपंजिल नाम का तीतर रहता था । एक दिन वह तीतर अपने साथियों के साथ बहुत दूर के खेत में धान की नई-नई कोंपलें खाने चला गया। बहुत रात बीतने के बाद उस वृक्ष के खाली पड़े खोल में 'शीघ्रगो' नाम का खरगोश घुस आया और वहीं रहने रहने लगा। कुछ दिन बाद कपिंजल तीतर अचानक ही आ गया । धान की नई-नई कोंपले खाने के बाद वह खूब मोटा-ताजा हो गया था। अपनी खोल में आने पर उसने देखा कि वहां एक खरगोश बैठा है। उसने खरगोश को अपनी जगह खाली करने को कहा। खरगोश भी तीखे स्वभाव का था; बोला-यह घर अब तेरा नहीं है । वापी, कूप, तालाब और वृक्ष के घरों का यही नियम है कि जो भी उनमें बसेरा करले उसका ही वह घर हो जाता है। घर का स्वामित्व केवल मनुष्यों के लिये होता है , पक्षियों के लिये गृहस्वामित्व का कोई विधान नहीं है । झगड़ा बढ़ता गया । अन्त में कपिंजल ने किसी भी तीसरे पंच से इसका निर्णय करने की बात कही । उनकी लड़ाई और समझौते की बातचीत को एक जंगली बिल्ली सुन रही थी। उसने सोचा, मैं ही पंच बन जाऊँ तो कितना अच्छा है; दोनों को मार कर खाने का अवसर मिल जायगा। यह सोच हाथ में माला लेकर सूर्य की ओर मुख कर के नदी के किनारे कुशासन बिछाकर वह आँखें मूंद बैठ गयी और धर्म का उपदेश करने लगी। उसके धर्मोपदेश को सुनकर खरगोश ने कहा- यह देखो ! कोई तपस्वी बैठा है, इसी को पंच बनाकर पूछ लें । तीतर बिल्ली को देखकर डर गया; दूर से बोला- मुनिवर ! तुम हमारे झगड़े का निपटारा कर दो । जिसका पक्ष धर्म-विरुद्ध होगा उसे तुम खा लेना । यह सुन बिल्ली ने आँख खोली और कहा--- राम-राम ! ऐसा न कहो । मैंने हिंसा का नारकीय मार्ग छोड़ दिया है । अतः मैं धर्म-विरोधी पक्ष की भी हिंसा नहीं करूंगी। हां, तुम्हारा निर्णय करना मुझे स्वीकार है । किन्तु, मैं वृद्ध हूँ; दूर से तुम्हारी बात नहीं सुन सकती, पास आकर अपनी बात कहो । बिल्ली की बात पर दोनों को विश्वास हो गया; दोनों ने उसे पंच मान लिया, और उसके पास आ गये । उसने भी झपट्टा मारकर दोनों को एक साथ ही पंजों में दबोच लिया।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज व्यवसायिक रूप से एक अच्छा समय है। आपके कार्य पूर्ण तो होंगें, किन्तु उनमे कुछ देरी हो सकती है। दैनिक क्रियाकलापों में आप अपने परिवार के सदस्यों की भागीदारी और प्रदर्शन से प्रसन्न होंगे।

वृषभ आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। छात्रों के लिये आज का दिन करियर में नया बदलाव लायेगा। अगर आप किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहे हैं, तो आपको उसमें सफलता मिलेगी।

मिथुन आज आप किसी गरीब को भोजन अवश्य कराएं। बड़ी से बड़ी मुश्किल आसान हो जाएगी। जल्दबाजी करने व जोखिम उठाने से बचें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। निराशा हावी रहेगी।

कर्क आप जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता एवं समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने वरिष्ठों से लाभ प्राप्त करेंगे और व्यावसायिक रूप से आपकी स्थिति और स्थिर हो सकती है।

सिंह जीवनसाथी के बीच थोड़ी अनबन हो सकती है, लेकिन शाम तक सब बेहतर हो जाएगा। आपको दूसरों की राय लेकर ही किसी काम की शुरूआत करनी चाहिए, सफलता मिल सकती है।

कन्या संतान और जीवनसाथी से सुख मिलेगा। आज आपकी सहेत ठीक रहेगी। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फायदा नहीं पहुंचाएगा।

तुला यदि आप वित्तीय मामलों में एक व्यवस्थित तरीके से काम करते हैं तो आप सफलता के साथ मिलेंगे। घर की खरीद या नवीनीकरण के लिए शुभ समय है।

वृश्चिक आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपका दिन दूसरों की सेवा-सत्कार में बीत सकता है। आज लोग आपसे काफी प्रभावित होंगे। इस राशि के बिजनेसमैन को फायदा हो सकता है।

धनु आज कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फायदा दिलायेगा। पारिवारिक सदस्यों के साथ मतभेद हो सकते हैं झगड़े से बचने का प्रयास करें। व्यस्तता के चलते स्वास्थ बिगड़ सकता है।

मकर छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित करना होना होगा।

कुम्भ आज उच्च अधिकारी से अच्छे संबंध बनाये रखने का प्रयास फलदायक होगा। किसी मित्र से सहयोग मिलेगा। करियर में तरक्की के योग बने हुए है। ऑफिस में माहौल अनुकूल बना रहेगा।

मीन आज आप में से कुछ लोगों को बेहतर नौकरी मिल जाने के संकेत हैं। व्यापार में लाभ होगा। नयी परियोजनाओं और खर्चों को टाल दें। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे।

जॉन अब्राहम संग तेहरान में एक्शन करेंगी मानुषी छिल्लर

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार संग फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं मानुषी छिल्लर की नई फिल्म से लुक रिवील हो गया है। जॉन अब्राहम की फिल्म तेहरान में अब मानुषी एक्शन करती नजर आएंगी। सोशल मीडिया पर जॉन अब्राहम ने दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिन में मानुषी एक दम अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। वहीं उन्होंने हाथ में काफी स्वैग से बंदूक को पकड़ा हुआ है। सोशल मीडिया यूजर्स मानुषी के लुक को पसंद कर रहे हैं। जॉन अब्राहम ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में जॉन और मानुषी साथ में नजर आ रहे हैं और दोनों ने ही एक्शन का पोज देते हुए हाथ में बंदूक पकड़ी हुई है। वहीं दूसरी तस्वीर में मानुषी के हाथ में तेहरान का शॉट क्लैप है, और वो मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। इन फोटोज में मानुषी छोटे- घुंघराले बालों में नजर आ रही हैं। फोटोज को शेयर करते हुए जॉन ने कैप्शन में लिखा, तेहरान में स्वागत है बेहद टैलेंटिड मानुषी का। बता दें कि जॉन अब्राहम ने निर्माता दिनेश विजयन की फिल्म तेहरान की शूटिंग की शुरू कर दी है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। कुछ वक्त पहले निर्माण कंपनी ने फिल्म में जॉन अब्राहम के किरदार की पहली झलक सार्वजनिक करने के लिए एक वीडियो ट्विटर पर साझा किया और लिखा था तेहरान की शूटिंग शुरू। फिल्म का निर्देशन अरुण गोपालन करेंगे और इसके निर्माता दिनेश वियजन, संदीप लेजेल और शोभना यादव हैं। इसकी कहानी रितेश शाह और आशीष वर्मा ने लिखी है।

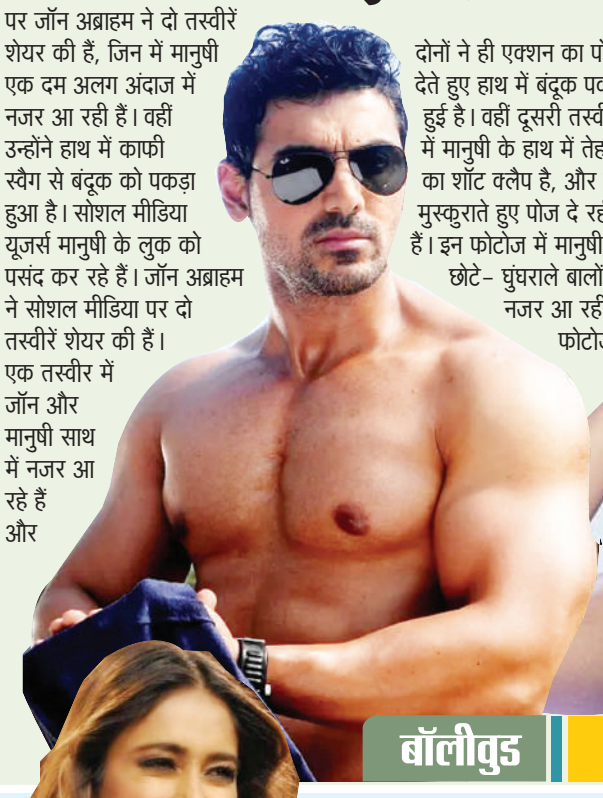

बॉलीवुड | मसाला

इलियाना ने बढ़ाया इंस्टाग्राम का पारा

इलियाना डिक्रूज अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में इलियाना डिक्रूज, कटरीना कैफ के बर्थडे वेकेशन में शामिल हुईं। इसके बाद से एक बार फिर खबरें तेज हो गईं कि वो कटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल को डेट कर रही हैं। इन खबरों के बीच इलियाना डिक्रूज ने अपनी बिकिनी फोटो शेयर की है, जो तेजी से वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर इलियाना ने एक बेहद हॉट फोटो शेयर की है। फोटो में इलियाना ने बिकिनी पहनी इलियाना काफी बोल्ड नजर आ रही हैं। सेल्फी में इलियना काफी किलर दिख रही हैं और उनके कर्वस की फैन्स खूब तारीफ कर रहे हैं। कैप्शन में इलियना ने लिखा क्या आप बीच हॉलिडे पर गए भी हैं, जब आपने बिकिनी में एक सेल्फी तक नहीं ली? इलियाना के फोटो की फैन्स के साथ ही सेलेब्स भी खूब तारीफ कर रहे हैं। याद दिला दें कि कटरीना कैफ के बर्थडे पर उनके साथ में इलियान डिक्रूज भी मौजूद थीं। सोशल मीडिया पर कटरीना के भाई सेबेस्टियन और इलियाना की तस्वीरों के वायरल होने के साथ ही ऐसा कहा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे के साथ बीते 6 महीने से रिलेशनशिप में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सेबेस्टियन और इलियाना न सिर्फ एक दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं, बल्कि बीते कुछ वक्त से कटरीना के बांद्रा वाले पुराने घर में साथ वक्त बिता रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

हमारे बच्चे बिना किसी स्पेशल प्रिफरेंस के आगे बड़े हों : नुसरत

बंगाली एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन नुसरत जहां ने हाल ही में अपने बेटे का चेहरा सोशल मीडिया पर रिवील न करने को लेकर बात की है। एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि यीशान दासगुप्ता की परवरिश उनके पति यश की पहली शादी से हुए बेटे रेयांश के साथ हो रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि वो अपने बेटे को बिना किसी टैग और अटेंशन के बड़ा होने देना चाहती हैं। नुसरत ने कहा बतौर पेरेंट्स यह हम दोनों का फैसला था। यश ने अपने बड़े बेटे को भी माडिया से दूर रखा है। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बिना किसी टैग, स्पेशल प्रिफरेंस और अटेंशन के बड़े हों। पिछले साल 26 अगस्त को कपल यीशान के पेरेंट्स बने थे। दोनों 2020 से एक-दूसरे के साथ हैं, पहले उनकी शादी के बारे में अफवाहें थीं, लेकिन बाद में दोनों ने हिंट दिया था कि वो पहले ही शादी कर चुके हैं। बता दें कि नुसरत ने 2019 में बिजनेसमैन निखिल जैन से तुर्की में शादी की थी। बाद में दोनों अलग हो गए। एक्ट्रेस ने कहा था कि उनकी शादी भारतीय कानूनों के मुताबिक अमान्य थी। जून 2021 में नुसरत ने सोशल मीडिया पर बेबी बंप के साथ फोटो शेयर करते हुए प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। इसके बाद एक्ट्रेस को काफी ट्रोल किया गया था। नुसरत ने ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए कहा, मेरे लिए यह बिलकुल भी आसान नहीं था। आप एक दिन उठते हो और देखते हो कि हर जगह आपको ट्रोल करने की हेडलाइंस हैं। मैं अपनी लाइफ में बहुत खुलकर बोलने वाली रही हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि मैं खुद को क्लियर करने के लिए बोलूं। मैं ट्रोल्स पर रिएक्ट न करना बेहतर समझा, लेकिन चुप रहने को गलत नहीं समझना चाहिए। नुसरत और यश ने हाल ही में अपनी फिल्म की शूटिंग पूरी की।

यहां तेल में नहाने आते हैं दूर-दूर से लोग दूर हो जाती हैं कई तरह की बीमारियां

रोजाना नहाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, आमतौर पर लोग घर पर ही पानी से नहाते हैं लेकिन कई बार सुनने में आता है कि किसी को दूध से भी स्नान कराया गया हो या फिर कुछ लोगों को किसी बीमारी के चलते दही से स्नान करने की सलाह भी दी जाती है। इसके अलावा हमारे देश में गंगा या यमुना में स्नान करना भी शुभ माना जाता है लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां तेल से नहाने का प्रचलन है। हालांकि हर कोई तेल ने नहीं नहाता बल्कि कुछ बीमार लोगों को ही एक विशेष प्रकार के तेल से नहलाया जाता है। दरअसल, ईरान की सीमा से सटे देश अजरबेजान के नाफतलान शहर में एक ऐसी जगह है जहां लोग कच्चे तेल से भरे बाथटब में नहाने आते हैं। यहां पर कच्चे तेल का इस्तेमाल अलग-अलग बीमारियां दूर करने के लिए किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि कच्चे तेल में नहाने से 70 से अधिक बीमारियां दूर हो जाती हैं। विशेषज्ञों का दावा है कि क्रूड ऑयल न्यूरोलॉजिकल और स्किन संबंधी परेशानियों के लिए लाभदायक होता है। बीमारी को दूर करने के लिए एक मरीज 40 डिग्री तापमान पर 130 लीटर कच्चे तेल में नहाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जिनकी हड्डियों में गैप आ जाता है कच्चे तेल के बाथटब में नहाने से हड्डियां जुड़ जाती हैं और आराम भी मिलता है। मरीजों को तेल के बाथटब में एक सिमित समय तक ही नहाने दिया जाता है। ज्यादा देर तक कच्चे तेल में नहाने से तेल में मौजूद केमिकल से शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है और इंसान की मौत भी हो सकती है। दरअसल, ये कोर्स 10 दिन का होता है। दिन में एक बार मरीज सिर्फ 10 मिनट के लिए ही तेल में नहा सकते हैं। इस हेल्थ सेंटर में हजारों लोग इस तरह से अपना इलाज कराने कजाकिस्तान, जर्मनी, रूस सहित एशियाई और यूरोपीय देशों से यहां पहुंचते हैं।

अजब-गजब | भगवान के क्रोधित हो जाने का लोगों को लगा रहता है डर

इस गांव में रहते हैं 5000 से ज्यादा लोग लेकिन नहीं हुआ किसी बच्चे का जन्म

आधुनिक युग में भले ही लोग पुराने रीति-रिवाजों को त्याग रहे हों लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी पुरानी परंपराओं को बखूबी निभा रहे हैं। यही नहीं इनमें से कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अंधविश्वास में बुरी तरह से जकड़े हुए हैं। अगर हम अपने ही देश की बात करें तो यहां पर अंधविश्वास इतना फैला हुआ है कि अब भी पुराने रीति-रिवाज और प्रथाओं की बातें करते हैं। आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में सुनकर एकबारगी आपको यकीन ही न हो।

क्योंकि इस गांव में अंधविश्वास इतना भयंकर है कि आज तक वहां कोई बच्चा पैदा नहीं हुआ। इतना ही नहीं, वहां किसी की कब्र भी नहीं है। इस गांव में एक पक्षी तक नहीं दिखता। इस रहस्यमयी गांव का नाम 'माफी डोव' है और ये अफ्रीकी देश घाना में है। इस गांव में करीब 5000 लोग रह रहे हैं लेकिन इनमें से एक भी यहां पैदा नहीं हुआ है। वजह सिर्फ एक है कि यहां पर बच्चे पैदा करने की मनाही है। यहां के रीति-रिवाज बेहद विचित्र हैं। आपको यकीन नहीं होगा, लेकिन यह सच है कि गांव वालों की मान्यता है कि यदि वहां किसी बच्चे का जन्म हुआ तो भगवान क्रोधित हो जाएंगे और गांव को शापित कर देंगे। गांव में जब कोई महिला प्रेग्नेंट होती है तो प्रसव से पहले दूसरे गांव भेज दिया जाता है। कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि जब महिला को ऐसी स्थिति में दूसरे गांव ले जाने के दौरान रास्ते में ही बच्चा हो गया। इस दौरान अक्सर भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन यह हैरानी भरी प्रथा यहां आज भी जारी है। बेशक आज के आधुनिक दौर में कोई भी इसे दकियानूसी, अंधविश्वास के सिवा कुछ भी मानने को तैयार नहीं होगा। यह खतरनाक भी है, लेकिन सच यही है कि गांव वाले इसे बदलने को तैयार नहीं है। गांव वाले आज भी इसे से ईश्वर की मर्जी मानते हैं।

फैलायी जा रही नफरत, भाजपा नहीं करती राष्ट्रध्वज का सम्मान : अखिलेश

» स्वतंत्रता आंदोलन में भाग नहीं लेने वाले पीट रहे देशभक्ति का ढिंढोरा

» सपा प्रमुख ने स्वतंत्रता सप्ताह पर सभी से राष्ट्रध्वज फहराने की अपील की

» लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों को बचाने का लेंगे संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में जिनकी कोई भूमिका नहीं थी, वे देशभक्ति का ढिंढोरा पीटने का काम कर रहे हैं। शहीद होने वालों के जज्बे को वे क्या सम्मान देंगे जो दूर-दूर तक स्वतंत्रता आंदोलन से नहीं जुड़े थे। सत्तारूढ़ भाजपा और उसका मातृ संगठन आरएसएस में राष्ट्रध्वज के प्रति कभी सम्मानभाव नहीं रहा है। संघ के नागपुर मुख्यालय में राष्ट्रध्वज क्यों नहीं फहराया जाता रहा, फिर भी भाजपा-आरएसएस भ्रम फैलाने में लग गए हैं।

उन्होंने कहा कि देश की विविधता और सामाजिक सौहार्द को नष्ट करने वाली ताकतें आज नफरत फैलाने में लगी हैं। लोकतंत्र और संविधान को बचाने के प्रति समाजवादी पार्टी की प्रतिबद्धता सर्वविदित है। सत्ता लोलुपों से राष्ट्रध्वज का सम्मान करने की कैसे उम्मीद की जा सकती है? समाजवादी 9 अगस्त 1942 को, जब गांधी जी ने अंग्रेजीराज से मुक्ति का उद्घोष किया था, उस दिन की याद में अपने आवासों पर राष्ट्रध्वज को ससम्मान फहराकर लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों को बचाने के लिए संकल्पित है। उन्होंने जनता से 9 से 15 अगस्त 2022 तक उत्तर प्रदेश के प्रत्येक घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह एक सप्ताह का पर्व स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति, शहीदों को नमन तथा भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए समर्पित होगा। राष्ट्रीय आंदोलन के आदर्शों को बचाने तथा उन्हें पुन: स्थापित करने की जिम्मेदारी आज फिर आम नागरिकों एवं समाजवादियों पर आ गई है।

लुलु मॉल विवाद पर कसा तंज

लुलु मॉल में नमाज पढ़ने को लेकर शुरू हुए विवाद में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसा। उन्होंने ट्वीट किया, अब तो मान्यवर स्वयं कह रहे हैं कि मॉल पर कोई राजनीति कर रहा है। जनता कह रही है जब लगाम आपके हाथ में है तो और कौन इस सत्ता का सूत्रधार हो सकता है या फिर इस सत्ता के धागे किसी और के हाथ में हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के इस ट्वीट के साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया है जिसमें जगद्गुरु परमहंस दास लुलु मॉल पहुंचे हैं और वहां लखनऊ पुलिस से उनकी कहासुनी हो रही है। मालूम हो कि लखनऊ का लुलु मॉल इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां नमाज पढ़ने को लेकर शुरू हुआ विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है।

द्रौपदी मुर्मू समेत भाजपा नेताओं के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस ने मंगलवार को एनडीए के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और अन्य के खिलाफ कानून के प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज करायी है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ भाजपा ने 17 और 18 जुलाई को मतदाताओं को रिश्वत और अन्य प्रलोभन देकर प्रभावित किया। कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने चुनाव आयोग को अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि मतदान करने वाले विधायकों को एक पांच सितारा होटल में लक्जरी आवास उपलब्ध कराया गया था। एनडीए उम्मीदवार (मुर्मू), मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील, भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा और अन्य के खिलाफ शिकायतें दर्ज की गई हैं।

फोटो :4 पीएम

बनायी मानव श्रृंखला

लखनऊ में स्वप्न फाउंडेशन और भूगर्भ जल विभाग की ओर से भूजल सप्ताह के तहत 'जल के लिए चल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शिरकत की। उनके साथ जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में युवाओं और स्कूली बच्चों की ओर से विधान भवन के सामने से लेकर हजरतगंज चौराहे तक मानव श्रृंखला बनाई गयी।

बच्चों के जीवन से खिलवाड़ किया तो जाना होगा जेल

» स्कूल बस संचालकों व प्रबंधकों पर आरटीओ ने कसा शिकंजा

» 593 स्कूल बसे फिटनेस जांच में फेल, कई वाहन सीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब स्कूली बच्चों के जीवन से खिलवाड़ करने वाले स्कूल बस संचालकों और प्रबंधकों की खैर नहीं। अगर बच्चों के जीवन से खिलवाड़ हुआ तो इन्हें हत्या या हत्या के प्रयास में जेल जाना होगा। आरटीओ का प्रवर्तन विभाग अभियान छेड़ कर ऐसे वाहनों खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है।

लखनऊ के नामचीन पब्लिक स्कूल सेठ जयपुरिया और जीडी गोयनका स्कूल तक में अनफिट बसें चल रही हैं जो बच्चों के जीवन को खतरे में डाल रही हैं। मामला पकड़ में आने पर दो बस संचालकों और प्रबंधकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश मोटर वाहन नियमावली 1988 के मानकों के अनुरूप विद्यालयों को बच्चों को लाने व ले जाने वाले वाहन फिट रखने होंगे। यदि कोई स्कूल अनफिट वाहनों का इस्तेमाल करते पाया गया तो डीआईओएस और बीएसए के माध्यम से उसकी मान्यता रद्द करने की कार्यवाही की जाएगी। यह भी चेतावनी दी कि जिन स्कूलों ने वाहनों का पंजीकरण नहीं कराया है, वह इसे पूरा करवा लें अन्यथा किसी प्रकार का कोई हादसा होने पर उन्हें गंभीर धाराओं में जेल जाना पड़ सकता है। नामी गिरामी स्कूलों की बात करें तो मामला जीडी गोएंका स्कूल के नाम से संचालित स्कूल बस से जुड़ा है। इसमें स्कूली बस में शीशे की जगह गत्ता लगाकर बस चलाने का आरोप था। वहीं दूसरे मसले में सेठ जयपुरिया स्कूल की बस बिना पंजीयन नंबर से संचालित होते पकड़ी गई थी। एआरटीओ प्रवर्तन अमित राजन राय के मुताबिक, छह मई को दोनों स्कूल बसों को पकड़ा गया था। बस संचालकों व प्रबंधकों पर मुकदमा दर्ज कराया गया। 14 जुलाई तक 190 स्कूल बसों ने फिटनेस कराई है। 17 वाहनों का चालान किया गया है और छह वाहन सीज किए गए हैं। 593 स्कूल बसों और 803 अनुबंधित वाहनों की फिटनेस फेल पाई गई थीं।

दलित उत्पीड़न की घटनाओं में यूपी आगे!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के हापुड़ में एक स्कूल में दो दलित बच्चियों की यूनिफॉर्म उतरवा कर उच्च जाति की लड़कियों को दिए जाने का मामला सामने आया है। जब इस पर सवाल उठे तो यूपी के शिक्षा विभाग ने पूरी घटना की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है। ऐसे में प्रश्न यह है कि हिंदुत्व के दौर में दलित उत्पीड़न की घटना क्यों हो रही है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. उत्कर्ष सिन्हा, सुशील दुबे, प्रो. रविकांत, प्रो. सुधांशु कुमार व प्रो. लक्ष्मण यादव और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

डॉ. उत्कर्ष सिन्हा ने कहा, ये प्रश्न समरसता का नहीं है। उसका है जो आप बेचना चाहते हैं। आपके विचार उस लाइन को करते हैं और वो हिंदुत्व में

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

जाकर मिल रही है। ये दोनों समरस होकर मिल रही है तो ऐसी घटनाएं होगी। पिछले एक साल से दलित उत्पीड़न की घटनाओं में हम चैंपियन है, बिहार से भी आगे हैं।

प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा, ऊपर से जब किसी एक धर्म के वर्चस्व की बातें सत्ता में हावी हो, उसी पर बहस हो, और जो उसके नीचे हो उस पर बात न हो, जो पर्दे में हो, उस पर न हो तो स्थिति क्या होगी प्रदेश की। अभी बुलडोजर चल रहा है, डरा रहा है तो लोग शिकायत किससे करें, इस पर बहस न की जाए। जातिगत मानसिकता को समझना होगा।

सुशील दुबे ने कहा, एक जमाने में जगजीवन राम थे, मीरा कुमार भी लोक सभा अध्यक्ष थी। आज के शानदार महामहिम कोविंद के राज में ऐसी घटनाएं हो जाती है। हाथरस जैसी घटना भी हो जाती है। अंबेडकर जी टूट गए दलित उत्थान करते-करते।

प्रो. सुधांशु कुमार ने कहा कि अभी न्याय की तरफ ले जाना वाला कोई संगठन नहीं है, पहले कभी थे। और जो पॉलिटिकल मामला है, सत्ता या सरकार का मामला है। जब हाथरस की घटना हुई तो सरकार ने क्या संदेश दिया। बुलडोजर जो चल रहा है तो उन जगहों पर क्यों नहीं, जहां जरूरी है।

प्रो. रविकांत भी परिचर्चा में शामिल हुए और अपने विचार रखे।

ज्योतिष ज्ञान को अर्जित करने से ही होगा समस्या का सही समाधान : समीर त्रिपाठी

राजधानी में मेधज ग्रुप के ऑनलाइन ज्योतिष इंस्टीट्यूट का हुआ उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में मेधज ग्रुप की एक नयी श्रंखला मेधज ए रिसर्च एंड एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड का उद्घाटन मेधज ग्रुप के संस्थापक डॉ समीर त्रिपाठी के द्वारा लखनऊ में किया गया, जिसका संक्षिप्त नाम एमएआरईपीएल है। इस संस्था में ऑनलाइन माध्यम से ज्योतिष की पढ़ाई कराई जाएगी, जिसमे एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स होगा जो कि 2 सेमेस्टर में पूरा होगा। इसके पहले सेमेस्टर में वैदिक ज्योतिष और दूसरे सेमेस्टर में नाड़ी शास्त्र की पढ़ाई कराई जाएगी। इस संस्था में पढ़ाई जाने माने ज्योतिष आचार्यों के द्वारा कराई जाएगी।

मेधज ग्रुप के संस्थापक डॉ. समीर त्रिपाठी ने बताया कि ज्योतिष विद्या के होने के अनेकों तथ्य समाज में उपलब्ध हैं और हम उनसे प्रतिदिन साक्षात्कार भी करते हैं, किन्तु हम अज्ञानतावश उनकी उपेक्षा करते हैं, जिसके कारण हम जीवन में बहुत तरीकों से समस्याओं का सामना करते हैं, जीवन में होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए अत्र, तत्र, सर्वत्र अनायास ही भटकते हैं और समाधान ढूढ़ने का प्रयास करते रहते हैं, किन्तु सही समाधान ज्योतिष पढ़कर, ज्योतिष के ज्ञान को अर्जित करने के बाद ही मिलता है, कारण ज्योतिष के सही होने की 70 प्रतिशत गारंटी होती है। इसलिए यदि हर कोई ज्योतिष की पढ़ाई कर ग्रह दशाओं की भाषा समझते हुए अपना सही मार्ग चुन ले तो उन्हें अपने आप से जीवन जीने के सही रास्ते मिल जाएंगे, महात्मा बुद्ध ने भी कहा कि आत्म दीपो भवः। डॉ. समीर त्रिपाठी ने आगे कहा कि ज्योतिष विद्या से हम जीवन की समस्याओं का चमत्कारी रूप से निवारण कर सकते हैं और भविष्य में इस विद्या को और आगे तक ले जाने का सदैव प्रयास करते रहेंगे।

उन्होंने आगे बताया कि आने वाले वर्षों में मेधज अ रिसर्च एंड एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आने वाली सभी आपदाओं की सूचना पहले से हर देश के संसद भवन को अवगत कराएगा और देश की सुरक्षा में मदद करने का भागीदार बनेगा। आपको जानकर हैरानी होगी कि मेधज ए रिसर्च एंड एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड पूरी दुनिया का ऐसा पहला इंस्टिट्यूट होगा, जिसमे वैदिक ज्योतिष और नाड़ी शास्त्र दोनों ही पढ़ाया जाएगा। इस संस्था के संस्थापक डॉ. समीर त्रिपाठी कहते है कि ज्योतिष सुधार के लिए है, भविष्यवाणी के लिए नहीं। आपको बता दें कि समीर त्रिपाठी मात्र एक इंजीनियर और बिजनेसमैन ही नहीं, एक ज्योतिषी भी है, जिनका उद्देश्य है कि लोग अपने संस्कारों को याद रखे और उसे अपने दैनिक जीवन में शामिल करे। कार्यक्रम का प्रसारण ऑनलाइन माध्यम से मेधज एस्ट्रो यूट्यूब चैनल पर भी किया गया।

संसद में गतिरोध पैदा करने वालों के सरगना हैं राहुल गांधी : स्मृति ईरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने वायनाड से सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा संसदीय कार्यवाही का अपमान किया। संसद में उनकी उपस्थिति भी 40 प्रतिशत से कम है। जो व्यक्ति राजनीतिक रूप से अनुत्पादक रहा है, वह यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को समर्पित कर रहा है कि संसद में कोई बहस न हो।

स्मृति ईरानी ने कहा संसद में गतिरोध पैदा करने वाले नेताओं के सरगना, संसद में चर्चा न हो, संसद की कार्यवाही स्थगित हो, इसके रचनाकार राहुल गांधी से आज भाजपा के कार्यकर्ता पूछते हैं कि आपने अपने संसदीय इतिहास में लोकसभा में कितने प्राइवेट मेंबर बिल प्रस्तुत किए? केंद्रीय मंत्री ने कहा जिन्होंने अमेठी के सांसद होने के नाते आज तक अमेठी के लिए एक प्रश्न न किया हो, जिन्होंने अमेठी छोड़कर वायनाड जाने के बाद 2019 के लोकसभा के शीतकालीन सत्र में 40 प्रतिशत से भी कम उपस्थिति रखी हो, आज वो संसद की कार्यवाही न चले, इसके लिए अपने आप को समर्पित कर रहे हैं। स्मृति ईरानी ने कहा राहुल गांधी, जिनका राजनीतिक इतिहास इस बात से भी दिखता है कि वो देश में कब हैं और देश के बाहर कब हैं, ये उनकी पार्टी के लिए भी चिंता का विषय बन जाता है, उनसे मैं कहना चाहती हूं कि वो संसद की उत्पादकता पर अंकुश लगाने की कोशिश निरंतर न करें।

बड़ी बेंच के पास जा सकता है महाराष्ट्र का सियासी मामला

सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव व शिंदे गुट से मांगा हलफनामा, एक अगस्त को सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के सियासी संकट पर उद्धव ठाकरे की अगुआई वाले खेमे और एकनाथ शिंदे खेमे की याचिकाओं पर चीफ जस्टिस एनवी रमना की बेंच में सुनवाई हुई। सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो कुछ मुद्दे बड़ी बेंच यानी संवैधानिक पीठ को भेजे जा सकते हैं। इसकी अगली सुनवाई 1 अगस्त को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों से मंगलवार तक जवाब दाखिल करने को कहा है।

शिंदे गुट की ओर से हरीश साल्वे ने कहा कि शिवसेना के भीतर लोकतंत्र का अयोग्यता की कार्यवाही के जरिए गला घोंट दिया गया। अगर आप पार्टी के भीतर ही पर्याप्त ताकत हासिल कर लेते हैं। पार्टी में ही रहते हैं और लीडर से सवाल करते हैं। आप उससे कहते हैं कि सदन में आप उसे परास्त कर देंगे तो ये दल-बदल नहीं है। दल-बदल तब है जब आप पार्टी छोड़ते हैं और दूसरों से हाथ मिला लेते हैं। तब नहीं, जब आप पार्टी में ही रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कभी भी किसी राजनीतिक दल की वर्किंग में दखल नहीं दिया है। अगर कोई सदस्य राज्यपाल के पास जाता और कहता कि विपक्ष को सरकार बनानी चाहिए तो ये खुद पार्टी छोड़ना कहलाता है। अगर मुख्यमंत्री इस्तीफा देते हैं और दूसरी सरकार शपथ लेती है तो ये दल-बदल नहीं है।

उद्धव गुट के वकील कपिल सिब्बल की दलील

उद्धव गुट के वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि शिवसेना से अलग होने वाले विधायक अयोग्य हैं। उन्होंने किसी पार्टी के साथ विलय भी नहीं किया। अगर शिंदे गुट की याचिका को सुना गया तो ऐसे में हर चुनी हुई सरकार को गिराया जा सकता है। इससे लोकतंत्र खतरे में आ जाएगा। राजनीतिक पार्टी का मुद्दा खुद में एक सवाल है। जब अयोग्य सदस्य किसी व्यक्ति को चुनते हैं तो ये चुनाव ही सही नहीं है। लोगों के फैसले का क्या होगा? आप विधानसभा अध्यक्ष के अयोग्यता पर रोक लगा सकते हैं, लेकिन प्रोसीडिंग पर रोक कैसे लगाई जा सकती है। अब शिंदे गुट कह रहा है कि वो इलेक्शन कमीशन के पास जाएंगे। ये तो कानून का मजाक उड़ाना है। इस अयोग्य सरकार को एक दिन भी नहीं रहना चाहिए।

महंगाई को लेकर विपक्षी दलों का प्रदर्शन

» कांग्रेस बोली, जीएसटी की दरें बढ़ाना अमानवीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महंगाई को लेकर विपक्ष लगातार केंद्र पर हमलावर है। सड़क से लेकर संसद तक विपक्षी दल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स बढ़ाना अमानवीय है, इससे महंगाई और बढ़ेगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार स्वच्छ पैक्ड फूड खरीदने वालों को सजा दे रही है। उन्होंने कहा ब्रांडेड और लेबल प्री-पैकेज्ड और लेबल से बहुत अलग है। जयराम रमेश ने कहा सबसे ऊपर समय है। सीपीआई मुद्रास्फीति सात फीसद से ऊपर है। ऐसे में जीएसटी दरें बढ़ाना अमानवीय है। देश में बेरोजगारी अधिक है, रुपये का मूल्यह्रास हो रहा है, चालू खाता घाटा बढ़ रहा है। दुनिया भर में महंगाई बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा गरीब उपभोक्ताओं को पहले से पैक और लेबल वाले सामान खरीदने की इच्छा क्यों नहीं रखनी चाहिए। उधर, मानसून सत्र के तीसरे दिन भी विपक्षी दलों ने महंगाई और जीएसटी दरों में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किया। संयुक्त विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा में महंगाई को लेकर सरकार पर हमला बोला। नारेबाजी भी की। गांधी प्रतिमा के पास भी विपक्षी दलों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में राहुल गांधी के अलावा पार्टी के कई सांसद भी शामिल हुए।

संजय राउत ने ईडी से मांगी मोहलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनी लांड्रिंग मामले में फंसे शिवसेना नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने ईडी के सामने पेशी में मोहलत मांगी है। उन्हें पेशी के लिए सुबह 11 बजे ईडी दफ्तर में पेश होना था। ये मामला पात्रा चॉल मामले से जुड़ा है।

संजय राउत ने कहा संसद का सत्र चल रहा है। मैंने पेशी के लिए ईडी से छूट मांगी है। मैं दिल्ली में रहूंगा। बता दें कि इससे पहले 1 जुलाई को भी उनसे पूछताछ की गई थी। संजय राउत से लगभग 10 घंटे पूछताछ की गई थी। ईडी दफ्तर से बाहर निकलने के बाद उन्होंने कहा था कि जांच में पूरा सहयोग किया है। वैसे भी हमारे मन में कोई शंका हो तो केंद्रीय एजेंसियों के सामने जाना हमारा कर्तव्य है ताकि लोगों के मन में हमारे बारे में कोई शंका न हो।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।